



डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

पूसा, बिहार-848 125



खंड-4, अंक-11

नवम्बर-2023

संपादकीय

संरक्षक:

डॉ. पी. एस. पाण्डेय
माननीय कुलपति

संकलन एवं संपादन:

डॉ. राकेश मणि शर्मा
डॉ. शंकर झा
डॉ. सत्य प्रकाश
डॉ. मोहित शर्मा
डॉ. आशीष कुमार पंडा
डॉ. सुधा नंदनी
गुप्तनाथ त्रिवेदी

तकनीकी सहयोग:

मनीष कुमार

मुद्रण:

प्रकाशन प्रभाग

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय
कृषि विश्वविद्यालय, पूसा

संपर्क:

www.rpcau.ac.in
publicationdivision@rpcau.ac.in

रा.प्र.के.कृ.वि.वि., पूसा



कुलपति महोदय का सन्देश

प्रिय पाठकों,

मैं विश्वविद्यालय ई-न्यूजलेटर के नवंबर 2023 संस्करण को बहुत हर्ष के साथ प्रस्तुत कर रहा हूँ। विगत माह में हमने निरंतर समर्पण और प्रतिबद्धता से कई महत्वपूर्ण और उल्लेखनीय कार्यक्रम सम्पन्न किये।

साथियों, 2 अक्टूबर भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण दिन है जहाँ देश के दो महान विभूतियों राष्ट्रपिता-महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जन्म-जयंती मनायी गयी। शास्त्री जी का अमर उद्घोष "जय जवान-जय किसान" आज भी हमें प्रेरणा देता है। जयंती के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय परिवार के बीच सेवा की भावना आत्मसात करने हेतु विश्वविद्यालय परिसर में 'स्वच्छता अभियान कार्यक्रम' और

'वृक्षारोपण कार्यक्रम' का आयोजन किया गया जिसमें माननीय केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री श्री गिरिराज सिंह जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय द्वारा गांधीजी की प्रेमपूर्ण स्मृति में आयोजित किया गया। जिनकी दृष्टि केवल राजनीतिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं थी; बल्कि एक ऐसे समाज की थी जहां साफ-सफाई और स्वच्छता जीवन-मूल्यों का एक आदर्श हो। उनका मानना था कि स्वच्छ पर्यावरण सिर्फ एक नागरिक कर्तव्य नहीं बल्कि एक नैतिक जिम्मेदारी है। साथियों, स्वच्छता के महत्व का अंदाजा हम इस बात से भी लगा सकते हैं कि इसी दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए स्वयं माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी 2 अक्टूबर 2014 को 'एक कदम स्वच्छता की ओर' टैगलाइन के साथ स्वच्छ भारत मिशन लॉन्च किया। एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते, सभी संकाय सदस्य, कर्मचारी और छात्र बहुत उत्साह के साथ इस कार्यक्रम में शामिल हुए और कार्यक्रम को सफल बनाया। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के जैव विविधता पार्क में 'वृक्षारोपण कार्यक्रम' भी चलाया गया।

बिहार में कृषि की समृद्धि काफी स्पष्ट है और विभिन्न कृषि प्रयासों से इसके महत्वपूर्ण परिणाम सामने आ रहे हैं। पश्चिम चंपारण जिले के मर्चा-धान की विशिष्ट पॉपकोर्न जैसी सुगंध और मीठे स्वाद ने इसे भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग दिलाया, जिससे यह भागलपुरी जर्दालू आम, कतरनी चावल, मगही पान, शाही लीची और मिथिला मखाना के बाद जीआई उपलब्धि वाला बिहार का छठा कृषि उत्पाद बन गया। यह हमारे वैज्ञानिकों, सभी संबंधित हितधारकों और महत्वपूर्ण रूप से हमारे कृषक समुदाय के अथक प्रयासों और अटूट समर्पण से संभव हुआ।

हमारा विश्वविद्यालय छात्रों के अकादमिक परिणामों और प्रगति में सुधार तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस कड़ी में, आरपीसीएयू एस्पिरेंट्स फोरम (आर.ए.एफ.) का औपचारिक रूप से उद्घाटन आर्यभट्ट छात्रावास में किया गया, जो छात्रों को सफलता की ओर अग्रसर करने के लिए एक बहुत ही अनूठा प्रयास है। आरएएफ एक अध्ययन कक्ष सुविधा है जिसे छात्रों को प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु स्वाध्याय एवं आत्मनिर्भर होकर सीखने का माहौल प्रदान करने के लिए विकसित किया गया है। इस मंच का मुख्य आदर्श वाक्य है "छात्रों द्वारा, छात्रों के लिए"। इसके अलावा, विश्वविद्यालय ने पूर्वी भारत के युवाओं को आधुनिक कृषि क्रियाकलापों जैसे डिजिटल एग्रीकल्चर, सेकेन्ड्री एग्रीकल्चर, प्रीसीसन फार्मिंग, कृषि उत्पादों के लिए ब्लॉक चेन और मूल्य संवर्धन प्रबंधन तकनीक इत्यादि में ड्रोन प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग में सक्षम बनाने के लिए एक "रिमोट पायलट ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन (आरपीटीओ)" की स्थापना की है।

विश्वविद्यालय में गन्ने पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना की वार्षिक समूह बैठक-2023 का आयोजन भी किया गया जिसका उद्घाटन कई गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। बैठक के उद्घाटन के मौके पर, विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में छात्रों की सक्रिय भागीदारी और उनके कौशल और असाधारण प्रतिभा ने इस अवसर में हर्ष और जीवंतता ला दी।

विश्वविद्यालय के लिए एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि-देश की 100 5G प्रयोगशालाओं में से एक का पुरस्कार प्राप्त करना रहा। 100 5G प्रयोगशालाओं में से केवल तीन प्रयोगशालाएँ कृषि विश्वविद्यालयों को समर्पित रही और हमारा विश्वविद्यालय उन तीन में से एक रहा। यह हमारे लिए वास्तव में एक उल्लेखनीय क्षण है। इस अत्याधुनिक प्रयोगशाला से कृषि क्षेत्र में क्रांति आने और अनुसंधान एवं नवीन विकास का मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद है। ये प्रयोगशालाएँ छात्रों को 5जी वातावरण का उपयोग करके अध्ययन परियोजनाएँ विकसित करने में सक्षम बनाएंगी। निकट भविष्य में किराना, रॉसर, ड्रोन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अनुप्रयोग के साथ मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से खेती करने में सक्षम होंगे। माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय मोबाइल कांग्रेस-2023 का उद्घाटन किया, जिसमें हमारे विश्वविद्यालय के 500 से अधिक अधिकारी, संकाय सदस्य और छात्र विद्युजल मोड से जुड़े। इस खबर को देश के लगभग सभी प्रतिष्ठित प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने कवर किया है, जिससे रा.प्र.के.कृ.वि. को इस उपलब्धि पर गर्व महसूस हो रहा है।

विश्वविद्यालय में एक और बहुत महत्वपूर्ण कार्यक्रम हुआ, वह था यूनिसेफ रॉटर, बिहार के सहयोग से "बिहार में पोषण सुरक्षा के लिए रातत कृषि" पर विकारा संवाद, जिसमें बच्चों की पोषण सुरक्षा के विभिन्न मुद्दों और चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया।

आगामी माह त्योहारों वाला माह है अतः मैं आप सभी को प्रकाश पर्व दीपावली और छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।

जय हिन्द।

डॉ. पी. एस. पाण्डेय



Volume-4, Issue-11

November-2023

EDITORIAL BOARD

Chief Patron:

Dr. P. S. Pandey
Vice-Chancellor

Compiled & Edited by:

Dr. R.M. Sharma
Dr. Shankar Jha
Dr. Satya Prakash
Dr. Mohit Sharma
Dr. A.K. Panda
Dr. S. Nandini
G. Trivedi

Tech. Assistance :

Manish Kumar

Published by:
Publication Division
RPCAU, Pusa.

Contact:
www.rpcau.ac.in

Vice-Chancellor's Message

Dear Readers,

With great pleasure, I present the November 2023 edition of the university e-newsletter. A testament to our constant dedication and unwavering commitment, we had a lot of significant and noteworthy events last month.

October 2nd is a prominent day in the history of India as it marks the birth anniversary of two great leaders Mahatma Gandhi- Father of the Nation and Lal Bahadur Shastri primarily renowned for his slogan, "Jai Jawan Jai Kisan." Commemorating Gandhiji and Shastriji's Jayanti as the 'Cleanliness drive programme' and 'Tree Plantation Programme' was successfully carried out in

the premises of the University for inculcating the sense of service among the participants. In the dignified presence of Hon'ble Union Minister of Rural Development and Panchayati Raj, Sh. Giriraj Singh ji, the programme was organized by the University in the loving memory of Gandhiji who's vision was not just limited to political independence but of a society where cleanliness and hygiene will be a way of life. He believed that a clean environment was not just a civic duty but a moral responsibility. Taking his vision forward Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi ji launched "Swachh Bharat Mission" on 2nd October 2014 with the tagline 'Ek kadam Swachhata ki ore' which means 'A step towards cleanliness'. Being a responsible citizen, all faculty members, staffs and students joined this programme with lots of enthusiasm and marked the successful completion of the event. In conjunction to this 'Tree plantation programme' at the Biodiversity Park of the University was also carried out.

The richness of agriculture in Bihar is quite evident and it is resulting into significant results in various ways. The distinctive popcorn-like aroma and sweet flavor of Marcha Rice from West Champaran district earned it the Geographical Indication (GI) tag, making it the sixth agricultural product from Bihar to do so after Bhagalpuri Zardalu Mango, Katarni Rice, Magahi Paan, Shahi Litchi and Mithila Makhana. This was made possible by the tireless efforts and unwavering dedication of eminent scientists, research experts, all the related stakeholders and more importantly our scientific community.

Our University works tirelessly to improve student outcomes and advancements. The main area of concentration is the overall development of the students. In light of this, the RPCAU Aspirants' Forum (RAF) has been formally inaugurated in Boys Hostel which is a very unique programme to strive the students towards success. RAF is a 24x7 reading room facility designed to provide a healthy learning atmosphere for the students to excel in competitive exams and to develop curiosity in a way that is financially self-sustaining. The main motto of this forum is "by the students, for the students". Besides, university has established a "Remote Pilot Training Organization (RPTO)" for enabling the youth of eastern India in application of drone technology in agricultural practices and operations be it Digital Agriculture, Secondary Agriculture, Precision Farming, Block Chain and Value Addition Management techniques for agricultural products.

Annual group meet- 2023 of AICRP on Sugarcane was inaugurated and held during 26-27th October, 2023 in the august presence of numerous well-known dignitaries. In celebration of the Meet's opening, a variety of cultural events were held, the active participation of the student's escorted life and color to the event and their enormous skill and extraordinary talent put forward joy and vibrancy to the occasion. Another significant accomplishment for the university was the award of one of the 100 5G labs of the country. Only three of these labs were devoted to agricultural universities and our University is fortunate enough to receive one among the three which is a real noteworthy moment for us.

This state-of-the-art lab is expected to revolutionize the agriculture sector and pave the way for research and novel development. These labs will enable students to do study projects using 5G environment. In the not-too-distant future, farmers will be able to undertake farming via mobile applications with the application of sensors, drones and artificial intelligence. Hon'ble PM, Shri Narendra Modi, inaugurated Indian Mobile Congress-2023 in which more than 500 officials, faculty members and students of our university connected virtually. This exciting news has been covered by almost all reputed print and electronic media of the country making RPCAU feeling proud for this great achievement.

Another very important event took place in the University was Development Dialogue on "Sustainable Agriculture for Nutrition Security in Bihar" in collaboration with UNICEF Centre, Bihar highlighting different issues and challenges of Nutritional Security of children.

With this, I also extend my well wishes to all of you for the festive of light, Diwali and Chhath Puja. May you all be stay blessed.

Jai Hind!

(Dr. P. S. Pandey)

शिक्षा एवं शैक्षिक गतिविधियाँ

➤ **बोर्ड ऑफ स्टडीज (बीओएस) की बैठक** दिनांक 06.10.2023 को वीडियो-कॉन्फ्रेंस हॉल, मत्स्यकी महाविद्यालय, दोली में महाविद्यालय की बोर्ड ऑफ स्टडीज (बीओएस) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में डॉ. पी. पी. श्रीवास्तव, अध्यक्ष बोर्ड ऑफ स्टडीज, डॉ. ए. के. उपाध्याय, बाह्य विशेषज्ञ, डॉ. एस. रायजादा, बाह्य विशेषज्ञ, डॉ. पी. के. झा, निदेशक शिक्षा, डॉ. ए. के. सिंह, निदेशक अनुसंधान, डॉ. एम.एस. कुंड़ू, निदेशक प्रसार शिक्षा और सभी संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

➤ **रा.प्र.के.कृ.वि. के 7 वर्ष रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा ने 7 अक्टूबर 2023 को अपने स्थापना के 7 साल पूरे कर लिए हैं।** इसकी स्थापना 3 दिसंबर 1970 को राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय के रूप में हुई थी। रा.प्र.के.कृ.वि. जीवत 7 कृषि-रंगों के साथ कृषि की अपनी इंदधनुषी क्रांति को कृषि शिक्षा और विज्ञान के अग्रणी क्षेत्रों - एग्रीवोल्टिक्स, डिजिटल कृषि, कृषि-ड्रोन प्रौद्योगिकी, माध्यमिक कृषि, प्राकृतिक खेती, आदि में और भी अधिक प्रसारित कर रहा है। इस अवसर पर, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्राद्योगिकी महाविद्यालय पूसा ने एग्रीवोल्टिक्स पर एक अत्याधुनिक व्याख्यान का आयोजन किया, जिसे ब्राइट सोलर, ग्रीस के विशेषज्ञ डॉ. निक कानोपोलोस ने दिया। वार्ता में कृषि अभियांत्रिकी एवं प्राद्योगिकी महाविद्यालय के सभी संकाय सदस्यों और छात्रों ने भाग लिया।



➤ **एडवांस 5G यूज़ केसेस लैब का उद्घाटन** कृषि अभियांत्रिकी एवं प्राद्योगिकी महाविद्यालय, पूसा को देश की 100 उन्नत "5जी यूज़ केस लैब्स" में से एक के लिए चुना गया है जिसका उद्घाटन 27 अक्टूबर 2023 को भारत के माननीय प्रधान मंत्री ने वर्चुअल माध्यम से किया। बिहार में केवल 3 ऐसी प्रयोगशाला आईआईटी, पटना; एनआईटी पटना और कृषि अभियांत्रिकी एवं प्राद्योगिकी महाविद्यालय, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा स्थापित की गई है। देश के 100 इंजीनियरिंग कॉलेजों में (ज्यादातर आईआईटी/एनआईटी/राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण संस्थान); में से केवल तीन कृषि संस्थानों/विश्वविद्यालयों को एडवांस 5जी यूज़ केस लैब्स से सम्मानित किया गया है। वर्चुअल उद्घाटन समारोह में माननीय कुलपति डॉ. पी. एस. पांडेय सहित सभी अधिष्ठाता/निदेशक/वरिष्ठ अधिकारी/संकाय सदस्य और छात्र उपस्थित रहे।



➤ **पंडित दीन दयाल उपाध्याय उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, पिपराकोटी ने 02 अक्टूबर 2023 को महात्मा गांधी जयंती पर वृक्षारोपण और स्वच्छता अभियान का आयोजन किया।** इस कार्यक्रम के दौरान अधिष्ठाता, प्राध्यापकों/वैज्ञानिकों, कर्मचारी और छात्रों की सक्रिय भागीदारी के साथ परिसर में आम के पीछे, सजावटी पीछे और मौसमी फूल लगाए गए।

➤ **शिक्षा में उत्कृष्टता के लिए भागीदारी** डॉ. अंबरीश कुमार, अधिष्ठाता, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्राद्योगिकी महाविद्यालय, पूसा, ने 10 अक्टूबर को आईआईटी पटना में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के कार्यान्वयन में शिक्षकों की भूमिका विषय पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार के महामहिम राज्यपाल द्वारा किया गया।

➤ **डॉ. एस. रायजादा, प्रतिष्ठित वैज्ञानिक एवं पूर्व सहायक महानिदेशक** (अंतर्देशीय मत्स्य पालन), भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली और डॉ. ए. के. उपाध्याय, पूर्व अधिष्ठाता, गोविन्द वल्लभ पंत कृषि विश्वविद्यालय, पंतनगर ने मत्स्यकी महाविद्यालय, दोली का दौरा किया और छात्रों के साथ बातचीत की। डॉ. एस. रायजादा ने "धारीदार मुरेल का प्रजनन और लार्वा पालन" पर व्याख्यान दिया

और डॉ. ए. के. उपाध्याय ने "भारतीय मत्स्य पालन का परिदृश्य और संभावना" पर व्याख्यान दिया।



अनुसंधान गतिविधियाँ

➤ **पोषण सुरक्षा को मजबूत करना** 31 अक्टूबर, 2023 को सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा और यूनिसेफ ने "बिहार में पोषण सुरक्षा के लिए सतत कृषि" विषय पर एक विकास संवाद का आयोजन किया। मुख्य अतिथि सुश्री नफीसा बिनते शफीक ने कृषि, स्वास्थ्य और पोषण में विश्वविद्यालय के अनुसंधान की सराहना की। माननीय कुलपति डॉ. पी.एस. पांडेय ने राष्ट्रीय विकास में पोषण की भूमिका पर प्रकाश डाला और सामाजिक प्रगति के लिए लिंग संवेदीकरण, बुनियादी ढांचे के विकास, खाद्य पोषण और आहार विज्ञान पर जोर दिया। सुश्री शफीक ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उत्पादों के लिए खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की आवश्यकता पर जोर दिया।



➤ **अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना - कृषि में महिलायें के तहत मछली गांव में विषयगत विश्व खाद्य दिवस का आयोजन** 16 अक्टूबर 2023 को विश्व खाद्य दिवस मछली गांव (मुजफ्फरपुर) में "जल ही जीवन है, जल ही भोजन है किराी को पीछे न छोड़ें;" विषय पर मनाया गया। इस अवसर पर 50 महिला किसानों और 25 पुरुष किसानों के बीच टोटल डिस्सॉल्व्ड सॉल्लिड्स (टीडीएस) मीटर के माध्यम से पानी की गुणवत्ता का परीक्षण करने के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया और अंत में, प्रतिभागियों के बीच "विश्व खाद्य दिवस: उद्देश्य और महत्व" शीर्षक से 'फ़ोल्डर' वितरित किया गया।



➤ **गन्ना अनुसंधान संस्थान, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा** ने माननीय कुलपति, की अध्यक्षता में 26 और 27 अक्टूबर 2023 को गन्ने पर भा.कृ.अनु.प.-अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की वार्षिक समूह बैठक 2023 का आयोजन किया। डॉ. डी. के. यादव, सहायक निदेशक

EDUCATION & EDUCATIONAL ACTIVITIES

➤ **Board of Studies (BoS) meeting** held on 06.10.2023 at Video-conference Hall, College of Fisheries, Dholi. Dr. P. P. Srivastava, Chairman BoS, Dr. A. K. Upadhyay, External Expert, Dr. S. Raizada, External Expert, Dr. P. K. Jha, Director of Education, Dr. A. K. Singh, Director of Research, Dr. M. S. Kundu, Director of Extension Education and all faculty were present in meeting.

➤ **7 years of RPCAU Pusa** completes its 7 years on 7th October 2023, post elevation from RAU established on 3rd December, 1970. RPCAU radiates its rainbow revolution of agriculture with vibrant 7 Agri-colours, even much more in the frontier areas of Agri academics and sciences - Agrivoltaics, Digital agriculture, Agri-drone technology, Secondary agriculture, Natural farming, etc. On this occasion, CAET Pusa organised a state of art lecture on Agrivoltaics, delivered by Dr Nick Kanopoulos, expert of Brite Solar, Greece. All faculty and students of CAET participated in the talk.



➤ **Inauguration of advance 5G Use Cases Lab** College of Agricultural Engineering and Technology, RPCAU, Pusa is one among the 100 advance "5G Use Case Labs" in the country, inaugurated by Hon'ble Prime Minister of India on 27th October 2023. In Bihar only 3 such labs are granted, viz: IIT, Patna; NIT Patna and CAET, RPCAU Pusa. Out of 100 Engineering colleges (mostly IITs/NITs/ nationally important institutes); only three from Agricultural institutions/universities in the country are awarded with Advance 5G Use Cases Labs the CAET, RPCAU Pusa is one of them. On the virtual inaugural function, HVC, Dr. P. S. Pandey along with all Deans/Directors/senior officers/ faculty and students were present.



➤ **PDUCH&F, Piprakothi** organized trees plantation of mango saplings, ornamental plants and seasonal flowers and Swachhata campaign on Birth Anniversary of Mahatma Gandhi 02 October 2023 with active participation of Dean and faculty members along with students

➤ **Participation for excellence in Education** Dean, CAET, RPCAU, Pusa, Dr Ambrish Kumar has participated in the Workshop on 'Role of teachers in implementation of National Education Policy (NEP-2020)' organized at IIT Patna on 10th October. The program was inaugurated by Hon'ble Governor of Bihar.

➤ **Dr. S. Raizada, Former** Emeritus Scientist and ADG (Inland Fisheries), ICAR, New Delhi, and Dr. A. K. Upadhyay, Former Dean, GBPUAT, Pantnagar visited College of Fisheries, Dholi, and interacted with students. Dr. S. Raizada, delivered lecture on "Breeding and larval rearing of Striped mullet" and Dr. A. K. Upadhyay delivered a lecture on "Scenario and

Prospect of Indian Fisheries"



RESEARCH ACTIVITIES

➤ **Strengthening Nutritional Security** On October 31, 2023, the College of Community Science, RPCAU, and UNICEF organized a Development Dialogue on "Sustainable Agriculture for Nutrition Security in Bihar." Chief Guest Ms. Nafisa Binte Shafique commended the University's research in agriculture, health, and nutrition. Dr. P.S. Pandey, Vice-Chancellor, highlighted the role of nutrition in national development and stressed up on gender sensitization, infrastructure development, Food Nutrition and Dietetics for societal progress. Ms. Shafique emphasized the need for food processing units for University-developed products.



➤ **Thematic World Food Day 2023 celebrated in Machhahi Village under AICRP-Women in Agriculture.** World Food Day on 16th October 2023 was celebrated in Machhahi Village (Muzzafarpur) on the theme 'Water is life, water is food; Leave no one behind' by AICRP-WIA. On this occasion One training programme was conducted for testing the water quality through Total Dissolved Solids (TDS) meter for 50 Women farmers and 25 Male farmers 'folder' entitled "World Food Day: Purpose and Importance (खाद्य दिवस: उद्देश्य एवं महत्त्व)" was distributed among the participants on this occasion.



➤ **The Sugarcane Research Institute, RPCAU, Pusa organized the Annual Group Meet 2023** of ICAR-AICRP on Sugarcane on 26th and 27th October 2023 under the chairmanship of Hon'ble Vice Chancellor, RPCAU, R.P.C.A.U., Pusa

(बीज और वाणिज्यिक फसल), भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली इस अवसर पर सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, और उन्होंने फसल सुधार पर तकनीकी सत्र की अध्यक्षता भी की। डॉ. जी. हेमाप्रभा, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-गन्ना प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर, डॉ. आर. विश्वनाथन, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ और विभिन्न गन्ना अनुसंधान संस्थान, भा.कृ.अनु.प. और क्षेत्रीय केंद्रों के लगभग 150 वैज्ञानिक कार्यक्रम में उपस्थित रहे।



➤ **रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा के वैज्ञानिक कृषि-खाद्य प्रणालियों में नवाचार पर मेक्सिको में अंतर्राष्ट्रीय पाठ्यक्रम में भाग लिया** हब मॉडल के माध्यम से कृषि-खाद्य प्रणालियों में नवाचार पर पहले अंतर्राष्ट्रीय पाठ्यक्रम का उत्सव के लिए, सीमेट (CIMMYT) (अंतर्राष्ट्रीय मक्का और गेहूँ सुधार केंद्र) ने मेक्सिको में 15-दिवसीय (15 अक्टूबर -29 अक्टूबर, 2023) शोधकर्ताओं, इनपुट आपूर्तिकर्ताओं, किसान, प्रसार कार्यकर्ताओं सहित हितधारकों का एक नेटवर्क का विदेशी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में सीआरए (क्लाइमेट रेजिलिएंट एग्रीकल्चर) प्रोग्राम के साझेदारों यानी बिंसा (बी.आई.एस.ए.), रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा, बिहार कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) और भा.कृ.अनु.प.- पूर्वी अनुसंधान परिसर-पटना के वैज्ञानिकों के एक समूह ने भाग लिया। इंटरैक्टिव पाठ्यक्रम के दौरान, वैश्विक गेहूँ कार्यक्रम और ब्रेड गेहूँ प्रजनन तकनीकों, जिन बैंक और एवं नवाचार प्रणाली के कार्यान्वयन के संबंध में चर्चा हुई। उपस्थित लोगों में विश्वविद्यालय के डॉ. रमेश कुमार झा, डॉ. अब्दुस सत्तार, डॉ. सतीश कुमार सिंह, डॉ. अरविंद कुमार सिंह, डॉ. मोती लाल मीना, डॉ. शिवेश्वर प्रताप सिंह, डॉ. शंकर झा एवं डॉ. रवीन्द्र कुमार तिवारी शामिल हुए।



➤ **तीन सहभागी प्रौद्योगिकियों, अर्थात् धनिया में एकीकृत कीट और रोग प्रबंधन, उच्च आय प्राप्त करने के लिए लहसुन के साथ धनिया की अंतरफलक और भा.कृ.अनु.प.-अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना, ढोली केंद्र के लिए सौर में उपज बढ़ाने के लिए फेरस सल्फेट और जिंक सल्फेट का पत्तेदार स्प्रे की सिफारिश 34वीं वार्षिक समूह की बैठक में की गई थी।** 30 अक्टूबर से 01 नवंबर 2023 के दौरान मसालों पर भा.कृ.अनु.प.-अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की बैठक उद्यानिकी महाविद्यालय (हॉर्टिकल्चर कॉलेज), बेंगलुरु, कर्नाटक में आयोजित की गई। मसालों पर भा.कृ.अनु.प.-अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के प्रधान अन्वेषक ने रा.प्र.के.कृ.वि. का प्रतिनिधित्व किया और इस कार्यक्रम में सभी समन्वय केंद्रों से संबंधित फसल सुरक्षा सत्र के तहत धनिया और बीज मसालों की प्रायोगिक प्रगति के साथ-साथ मुख्य निष्कर्ष वार्ता प्रस्तुत किए।

रा.प्र.के.कृ.वि.वि., पूसा

प्रसार गतिविधियाँ

➤ **कृषि विज्ञान केंद्र, गोपालगंज में वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक** दिनांक 04.10.2023 को कृषि विज्ञान केंद्र गोपालगंज में डॉ. एम.एस. कुंडू, निदेशक, प्रसार शिक्षा की अध्यक्षता में वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम के दौरान प्रगतिशील किसानों सहित समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे। वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केंद्र गोपालगंज ने पिछले दो वर्षों के दौरान केंद्र द्वारा संवालि गतिविधियों को प्रस्तुत किया।



➤ **10.10.2023 को कृषि विज्ञान केंद्र, गोपालगंज में निदेशक अनुसंधान, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा का भ्रमण** डॉ. ए.के. सिंह, निदेशक अनुसंधान, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा ने अन्य वैज्ञानिकों के साथ 10.10.2023 को कृषि विज्ञान केंद्र, गोपालगंज का दौरा किया। उन्होंने सीआरए दीर्घकालिक प्रायोगिक प्लॉट सहित केंद्र के प्रक्षेत्र का भ्रमण किया और केंद्र में की जा रही सभी गतिविधियों की सराहना की।

➤ **किसान एक्सपोजर विजिट-** दिनांक 10 और 12 अक्टूबर, 2023 को सीआरए द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र वैशाली में और केवीके, पिपराकोठी और परसीनी द्वारा खरीफ कृषि पद्धतियों पर केंद्रित एक किसान एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया गया। इस आयोजन में कृषि विज्ञान केंद्र, वैशाली से जुड़े सीआरए गांवों के 50 किसानों की भागीदारी रही। यात्रा के दौरान, किसानों को विभिन्न क्षेत्रों, जैसे ऊंचे मेड़ो वाले धान के खेत, डीएआर धान के खेत, ज्वार के खेत और सोयाबीन के भूखंडों को देखने और अंतर्दृष्टि प्राप्त करने का मौका मिला तथा सीआरए तकनीकों को नियोजित करने वाले सफल किसानों के साथ आर्थिक लाभों पर जानकारीपूर्ण चर्चा में उन्हें शामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ।

➤ **कृषि विज्ञान केंद्र, शिवहर में एस.एम.एस. (पौधा संरक्षण) द्वारा "पीसीओ के लिए ग्लाइफोसेट का सुरक्षित और विवेकपूर्ण उपयोग" विषय पर दिनांक 18 से 20 अक्टूबर, 2023 तक हाइब्रिड मोड में तीन दिवसीय आरवाइ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।** कुल 24 किसानों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया तथा शिवहर जिले में ग्लाइफोसेट के उपयोग के लिए पीसीओ के रूप में प्रशिक्षित हुए और ग्लाइफोसेट के उपयोग का अनुभव प्राप्त किया।



➤ **कृषि विज्ञान केंद्र, वैशाली के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं केंद्र प्रमुख के मार्गदर्शन में दिनांक 26 से 30 अक्टूबर 2023 तक केवीके वैशाली में ग्रामीण युवाओं के लिए केले के रेशे निष्कर्षण एवं इराके उत्पादों पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।** प्रशिक्षण एसएमएस कृषि अभियांत्रिकी, केवीके वैशाली द्वारा आयोजित किया गया जिसमें 18 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इन्हे कार्यक्रम की सफल प्रतियोगिता के बाद प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

➤ **हेप्पी सीडर के संचालन और रखरखाव पर प्रशिक्षण** कृषि विज्ञान केंद्र, गोपालगंज ने दिनांक 26 अक्टूबर, 2023 को हेप्पी सीडर के संचालन और रखरखाव पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया और कृषि गतिविधियों की बेहतरी के लिए इसके उपयोग और अनुप्रयोगों पर जागरूकता के माध्यम से राशिक्षुओं को बढ़े पैमाने पर लाभान्वित किया।



Pusa, Dr. D.K. Yadav, ADG (Seed and Commercial Crops), ICAR, New Delhi graced the occasion as the Guest of Honor, and he also chaired the technical session on Crop Improvement. Dr. G. Hemaprabha, Director, ICAR-Sugarcane Breeding Institute, Coimbatore, Dr. R. Vishawnathan, Director, ICAR-Indian Institute of Sugarcane Research, Lucknow, and around 150 scientists of various ICAR institutes and Zonal Centers on sugarcane were present in the programme.



➤ **RPCAU scientists attended the International course at Mexico on Innovation in Agri-food Systems** To celebrate the first international course on innovation in agri-food systems through the hub model, CIMMYT (The International Maize and Wheat Improvement Center) organized a 15-days (15th Oct-29th Oct., 2023) overseas training course at Mexico consisting of a network of stakeholders including researchers, input suppliers, farmer, extension functionaries. This programme was attended by a group of scientists from the partners of CRA (Climate Resilient Agriculture) Programme i.e., BISA, RPCAU, BAU and ICAR-RCER. During the interactive course, discussions were held regarding the global wheat program and bread wheat breeding techniques, and gene bank. Dr. Ratnesh Kumar Jha, Dr. Abdus Sattar, Dr. Satish Kumar Singh, Dr. Arvind Kumar Singh, Dr. Moti Lal Meena, Dr. Shiveshwar Pratap Singh, Dr. Shankar Jha and Dr. Ravinder Kumar Tiwari attended this programme & represented RPCAU, Pusa.



➤ **Three participatory technologies namely,** Integrated Pest & Disease Management in Coriander, Intercropping of Coriander with Garlic for Getting Higher Income and Foliar Spray of Ferrous Sulphate & Zinc Sulphate for Yield Enhancement in Fennel for ICAR-AICRPS, Dholi centre were recommended in the XXXIV Annual Group Meeting of ICAR- AICRP on Spices during 30th Oct. to 01st Nov. 2023 held at UHS (College of Horticulture), Bengaluru, Karnataka. Principal Investigator of the ICAR-AICRP on Spices represented RPCAU as Resource Person and presented salient findings of experimental progress of Coriander & Seed Spices under Crop Protection Session pertaining to all co-ordinating centre in this event.

EXTENSION ACTIVITIES

➤ **SAC meeting of KVK Gopalganj on 04.10.2023** Scientific Advisory Committee meeting has been organized at KVK Gopalganj on 04.10.2023 under the chairmanship of Dr. M.S. Kundu, Director, Extension Education. All committee members including progressive farmers were present during the programme. Sr. Scientist and Head, KVK Gopalganj has presented the activities conducted by KVK during previous two years.



➤ **Visit of Director of Research, RPCAU, Pusa visit at KVK Gopalganj on 10.10.2023** Dr. A.K. Singh, Director of Research, RPCAU, Pusa visited KVK Gopalganj on 10.10.2023 along with other scientists of RPCAU Pusa. They visited KVK farm including CRA long term experimental plot and appreciated all activities being carried out at KVK Gopalganj.

➤ **Farmers Exposure Visit-** A farmer's exposure visit was organized by the CRA at KVK Vaishali, and also by KVK, Piprakothoi & Parsauni focusing on Kharif agricultural practices on October 10th & 12th, 2023. Fifty farmers from the CRA villages associated with KVK, Vaishali participated in the said exposure visit and have chance to observe and gain insights from diverse fields operations, such as raised bed paddy fields, DSR paddy fields, sorghum fields, and soybean plots.

➤ **Three days RV training programme** was organized at KVK, Sheohar by SMS (Plant Protection) on "Safe and Judicious use of Glyphosate for PCOs" from 18th to 20th October, 2023 in hybrid mode. A total of 24 farmers have attended the training programme and got hands on experience use of glyphosate and have been trained as a PCO for glyphosate use in Sheohar district.



➤ **A five-day training on the banana fiber extraction and its products for rural youth** was organized at KVK Vaishali from October 26 to 30, 2023. The training was conducted by SMS Agricultural Engineering, under guidance of Head, KVK, had participation of 18 participants who were provided certificates after the successful completion of the programme.

➤ **Training on Operation and maintenance of Happy seeder has been conducted** KVK Gopalganj provided a training programme on operation and maintenance of happy seeder on 26th October, 2023 and trainees were largely benefitted through sensitization on its use and applications for the betterment of farming activities.



स्वेल, पुरस्कार और अन्य गतिविधियाँ

> **गांधी जयंती 2023** के पवित्र अवसर पर, सौंदर्यीकरण और भूदृश्य इकाई, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा द्वारा वन विभाग रामस्तीपुर जिले के सहयोग से एक संयुक्त सामूहिक सजावटी वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत श्री गिरिराज सिंह, माननीय केंद्रीय मंत्री, ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार और डॉ. पी.एस. पांडे, माननीय कुलपति, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा की गरिमामयी उपस्थिति में हुई। वृक्षारोपण डॉ. मृत्युंजय कुमार, कुलसचिव, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा, डॉ. के.एम. सिंह, अधिष्ठाता स्नातकोत्तर कृषि महाविद्यालय, डॉ. ए.के. सिंह, निदेशक अनुसंधान, और अन्य अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष एवं संकाय प्रमुखों के साथ-साथ स्नातकोत्तर एवं स्नातक छात्रों द्वारा किया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम का आदर्श वाक्य था "अपना पेड़ लगाएं और अपनाएं", इसलिए पेड़ों की देखभाल की जिम्मेदारी वृक्षारोपण करने वाले लोगों द्वारा करने का निर्णय लिया गया।



> **राष्ट्रीय स्तर बिजनेस प्लान में छात्र की उपलब्धि** यूरेका, ई-सेल आईआईटी बॉम्बे के तहत 5 अक्टूबर, 2023 को ई-सेल कृषि अभियानिकी एवं प्राणीगिकी महाविद्यालय, पूसा द्वारा आयोजित बिजनेस मॉडल प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में तिरहुत कृषि महाविद्यालय, डोली के छात्रों ने पहला, दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया।



> **रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा के विभिन्न महाविद्यालयों में स्वच्छता अभियान** दिनांक 1-31 अक्टूबर, 2023 तक विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों एवं अन्य इकाइयों के वैज्ञानिकों/कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी के साथ स्वच्छता अभियान मनाया गया।



> **सुश्री ईशा कुमारी**, बीएफएससी छात्रा (बैच 2019-20) ने भा.कृ.अनु.प.-एआईईईई (पीजी) - 2023 की परीक्षा में दूसरी रैंक हासिल की। सुश्री कृतिका बेहरा ने सामान्य में तीसरी रैंक और एससी श्रेणी में पहली रैंक हासिल की और 8 और छात्रों अर्थात् सी.एस. प्रधान (7वीं रैंक), निधि कुमारी (15वीं रैंक), काशी काजल (17वीं रैंक), अवधेश पी. अहिरवार (53वीं रैंक), भार्गवी दिव्या (55वीं रैंक), सीस्मिता स्वैन (66वीं रैंक), नंदना आर. (71वीं रैंक) और स्मृति चौरसिया (108 रैंक) ने अपनी रैंक हासिल की।



> **माननीय कुलपति महोदय की गरिमामयी उपस्थिति में निम्नलिखित विश्वविद्यालय कर्मचारियों का विदाई समारोह जो 31 अक्टूबर, 2023 को विश्वविद्यालय सेवा से सेवानिवृत्त हुए, का आयोजन किया गया।**

1. **श्री विनोद कुमार**
टी० ए० (टी-3) कीट विज्ञान विभाग, पी०जी०सी०ए०, पूसा
2. **मो० वसीउद्दीन**
टी० ए० (टी-3) गन्ना अनुसंधान संस्थान, पूसा



AWARD SPORTS & OTHERS ACTIVITIES

➤ On the pious occasion of Gandhi Jayanti 2023, a joint mass ornamental tree plantation drive was organized by Beautification and Landscaping Unit, RPCAU, Pusa in association with Forest Department Samastipur District. The programme commenced in the gracious presence of Shri Giriraj Singh, Hon'ble Union Minister, Ministry of Rural Development and Panchayati Raj, Bharat Sarkar and Dr. P.S. Pandey, Hon'ble Vice Chancellor, RPCAU, Pusa. The plantation of trees was done by Dr. Mrityunjay Kumar, Registrar, RPCAU, Pusa, Dr. K.M. Singh, Dean PGCA, Dr. A.K. Singh, Director Research, and other Deans/ Directors, Heads of Department, Faculties as well as PG and UG students. As the motto of the program was "Plant and adopt your own tree" thus, the responsibility of taking care of the trees was decided to be done by the people who did the plantation.



➤ Student achievement in National level Business Plan TCA Dholi students secured first, second and third position in Business Model Presentation Competition organized by E- Cell CAET, Pusa on 5th October, 2023 under EUREKA, E- Cell IIT Bombay.



➤ Cleanliness Drive at various colleges of RPCAU, Pusa Swachhata Abhiyan was celebrated with the active participation of scientists/staffs of different colleges and units of RPCAU during 1-31st October, 2023 and conducted massive cleanliness drive.



➤ Ms. Isha Kumari, BSc student (Batch 2019-20) secured Second Rank in the examination of ICAR-AIEEE (PG)- 2023. Ms. Kritika Behra got Third Rank in general and First Rank in SC category and 8 more students namely C.S. Pradhan (7 rank), Nidhi Kumari (15 rank), Kashvi Kajal (17 rank), Avadhesh P. Ahirwar (53 rank), Bhargavi Divya (55 rank), Saishmita Swain (66 rank), Nandana R. (71 rank) and Smriti Chaurasiya (108 rank) secured their ranks.



➤ A farewell ceremony of the following university employees who superannuated from University Service on 31st October, 2023 was organized in the gracious presence of Hon'ble Vice-Chancellor, RPCAU, Pusa

1. **Shri Vinod Kumar**
TA (T-3), Department of Entomology, PGCA, Pusa
2. **Md. Wasiudding**
TA (T-3), Sugarcane Research Institute, Pusa

